

न्यायालय अनुमंडल पदाधिकारी, महागामा

पी0ए0 केश नं0-31/20-21

चुलिया पहाड़िन बनाम् रैयान मौजा-देवडौंड

-: आदेश :-

29.03.2022

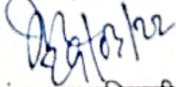
वर्तमान प्रधान नियुक्ति की प्रक्रिया आवेदिका चुलिया पहाड़िन, पति-स्व0 दुखिया पहाड़िया, सा0-देवडौंड, अंचल-बोआरीजोर, जिला-गोड्डा के आवेदन पर संधाल परगना काश्तकारी (पूरक) अधिनियम, 1949 की धारा-6 के तहत मौजा-देवडौंड नं0-63 के प्रधान की मृत्यु के फलस्वरूप रिक्त प्रधानी पद पर नियुक्ति हेतु प्रारंभ किया गया है।

आवेदिका के विज्ञ अधिवक्ता को सुना एवं अभिलेख में संलग्न कामजात का अवलोकन किया।

आवेदिका द्वारा दाखिल आवेदन का जाँच प्रतिवेदन अंचल अधिकारी, बोआरीजोर के पत्रांक-101/सा0, दिनांक-28.01.2021 से प्राप्त है। जाँच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया है कि मौजा-देवडौंड नं0-63 प्रधानी मौजा है। आवेदिका चुलिया पहाड़िन, मौजा- देवडौंड नं0-63 के अंतर्गत जमाबंदी नं0-06के जमाबंदी रैयत चतुर पहाड़िया के पारपोता है। उक्त प्रधानी मौजा के अंतिम प्रधान स्व0 दुखिया पहाड़िया थे, जिनकी मृत्यु कई वर्ष पहले हो चुकी है। वर्तमान में मौजा-देवडौंड नं0-63 में प्रधानी पद रिक्त है। अंचल अधिकारी, बोआरीजोर द्वारा संधाल परगना काश्तकारी (पूरक) अधिनियम, 1949 की धारा 6 के तहत आवेदिका चुलिया पहाड़िन को मौजा-देवडौंड नं0-63 का प्रधान नियुक्त करने हेतु अनुशंसा किया गया है।

किसी भी व्यक्ति या प्रधिकार द्वारा उक्त नियुक्ति पर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुआ है। इससे स्पष्ट है कि आवेदिका मौजा के 16आना रैयतों को सामान्यतः रवीकार है तथा उनके विरुद्ध संधाल परगना काश्तकारी (पूरक) अधिनियम, 1950 के तहत वर्णित किसी भी प्रकार की अयोग्यता से संबंधित प्रतिवेदन अप्राप्त है। संधाल परगना काश्तकारी (पूरक) अधिनियम, 1950 के अनुसूची-V की उपधारा-3 के अनुसार The office of Headman being hereditary the next heir who is titled should be headman के आलोक में आवेदिका के आवेदन के विरुद्ध मौजा के 16आना रैयतों से किसी भी प्रकार का आपत्ति प्राप्त नहीं होने तथा अंचल अधिकारी, बोआरीजोर के जाँच प्रतिवेदन के आधार पर आवेदिका चुलिया पहाड़िन, पति-स्व0 दुखिया पहाड़िया, सा0-देवडौंड, अंचल-बोआरीजोर, जिला-गोड्डा को संधाल परगना काश्तकारी (पूरक) अधिनियम, 1949 की धारा-6 के तहत मौजा-देवडौंड नं0-63 का प्रधान नियुक्त किया जाता है। नवनि्युक्त प्रधान को आदेश दिया जाता है कि वे एक वर्ष का खजाना कोषागार में जमाकर चालान की प्रति के साथ संधाल परगना काश्तकारी (पूरक) अधिनियम, 1949 की धारा-7 के तहत कबूलियत और जमानत दाखिल कर पट्टा प्राप्त करेंगे।

लेखापित एवं संशोधित।


अनुमंडल पदाधिकारी,
महागामा।



अनुमंडल पदाधिकारी,
महागामा।